

Roll No. [REDACTED]

Total No. of Pages : 03

May 17

Total No. of Questions : 11

B.Arch.(2012 & Onwards) / (B.Com / BCA / BSc. (HMCT)/ B.Sc. (MLS))
(2011 & Onwards) / BBA(2012 & Owards Batches) / (B.Sc.(FT) / MBA/ MBA(IB)) (2012
& Onwards) BMCI(2014 & Onwards Batch) / (BRDM / Bachelor In Service Industry
Management (SIM)) (2014 & Onwards) / (B.Sc.(IT) / B.Sc In Catering and Culinary
Arts) (2015 & Onwards) / B.Sc. (Business Economics (BBE) (2015 Onwards)
(Sem.-1, 2)

HUMAN VALUES AND PROFESSIONAL ETHICS

Subject Code : HVPE-101

Paper ID : [A1105]

Max. Marks : 60

Time : 3 Hrs.

INSTRUCTION TO CANDIDATES :

1. This question paper contains three sections. SECTION-A contains objective type questions, SECTION-B contains short answer type questions and SECTION-C contains descriptive answer type questions.
2. Attempt ALL questions.

SECTION-A

1. Fill in the Blanks/True/False :

- (a) We should not operate only on the basis of pre
हमें केवल पूर्व के आधार पर कार्य नहीं करना चाहिए।
सानुं सिरड़ पूरव दे आपार 'उे कंभ नहीं करना चाहीदा।
- (b) To be in a state of liking is
पसंद के हिसाब से एक अवस्था में होना है।
ਪਸंਦ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਵਲੋਂ ਇੱਕ ਦਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਹੋਣਾ ਹੈ।
- (c) is the foundational value in relationships.
..... ਰਿਸ਼ਤੋਂ ਮੌਜੂਦਾ ਮੂਲਧਾਰ ਹੈ।
..... ਰਿਸ਼ਤਿਆਂ ਵਿੱਚ ਮੁੱਢਲਾ ਮੁੱਲ ਹੈ।
- (d) Right understanding + = Mutual prosperity.
ਸਹੀ ਸਮਝ + = ਪਾਰਸ਼ਰਿਕ ਸਮੂਝਿ
ਠੀਕ ਸਮਝ + = ਆਪਸੀ ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ
- (e) Animal order in nature contains and
ਪ੍ਰਕृਤਿ ਮੌਜੂਦਾ ਆਦੇਸ਼ ਮੌਜੂਦਾ ਹੈ।
ਕੁਦਰਤ ਵਿੱਚ ਪਸੂ ਆਦੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਅਤੇ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।
- (f) Body has the activities of recognition and fulfillment only.
ਸਰੀਰ ਦੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਕੇਵਲ ਪਛਾਣਨਾ ਔਰ ਪੂਰਤਿ ਹੈ।
ਸਰੀਰ ਦੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਕੇਵਲ ਪਛਾਣਨਾ ਅਤੇ ਪੂਰਤੀ ਹੈ।

3065

[M-10049]

- (g) The felling of being related to all is love.
प्यार सभी से संबंधित होने की भावना है।
- (h) Respect is right evaluation.
सम्मान सही मूल्यांकन है।
आदर उँ भाव सही मूल्यांकन है।
- (i) Ethical Human Conduct leads to Mutual Fulfilment.
नैतिक मानव आचरण से परस्पर पूर्ति हो जाती है।
नेत्रिक मनुष्यी विउहार परमपर पुरकर्ता वैल ले जादा है।
- (j) There is no self-regulation in nature.
प्रकृति में कोई आत्म नियमन नहीं है
बुद्धरत्ति विच्छ कोई आउम नियमता नहीं है।

SECTION-B

2. What is the need of Value-Education?
मूल्य शिक्षा की क्या जरूरत है?
- मूल सिंधिआ दी की ज़रूरत है?
3. Explain Natural Acceptance.
सहज स्वीकृति समझाओ।
बुद्धरत्ति मंजुरी समझाओ।
4. Differentiate between intention and competence. How do we come to confuse between the two?
इरादा और क्षमता के बीच क्या अंतर है? कैसे हम गलती करते हैं?
इरादा अते समर्था दे विच्छ की अंतर है? किवें असी गलती करदे हाँ?
5. Explain the process of self-exploration with the help of a suitable diagram.
एक उपयुक्त आरेख की मदद से आत्म-अन्वेषण की प्रक्रिया को समझाइए।
इंक द्वावें चिंतर दी मदद नाल आउम-अपिअन दी परिक्रामा नु समझाओ।
6. What do you mean by Animal Consciousness and Human Consciousness? How is the transformation possible form Animal Consciousness to human Consciousness?
आपका पशु चेतना और मानव चेतना से क्या मतलब है? पशु चेतना से मानव चेतना के लिए परिवर्तन कैसे संभव है?
उगड़ा पशु चेतना अते मनुष्यी चेतना उँ की मतलब है? पशु चेतना उँ मनुष्यी चेतना उँ की मतलब है?

SECTION-C

a) What is the meaning and purpose of Self-Exploration?
स्वयं-अन्वेषण के अर्थ और उद्देश्य क्या है?

आउम अपिअन दे मतलब अते उद्देश की हन?

b) What are the basic guidelines of the value education?
OR

मूल्य शिक्षा की बुनियादी दिशानिर्देश क्या हैं?

मूल सिंधिआ दी बुनिअदी दिशानिर्देश की हन?

8. a) Describe in brief the salient values in human relationships.
मानवीय रिश्तों में संधिपा युखा गृह्णों का विवरण है।
मानवी गिस्तिआं विंच सधिपत मुँख मुँला दा वरन्ण करे।

OR

b) What are the activities and needs of self and body?
आत्म और शरीर की गतिविधियाँ, आवश्यकताएँ क्या हैं?

सदै अडे सरीर दीआं जहुरउं अडे गरीबीपीआं की हन ?

9. a) What are the salient unethical practices in the profession at present? Analyze the root cause and possible solution.

मौजूदा समय में पेशे के मुख्य अनैतिक तरीके क्या हैं? मूल कारण और संभव समाधान का विश्लेषण करें।

मैंसुदा सम† विंच पेसे दे मुँख अनैतिक उरीके की हन ? मुल वारन अडे मिछव समाधान दा विस्त्रेस्त करें।

OR

b) What do you mean by reaction and response? Give some examples.

आप का प्रतिक्रिया और अनुक्रिया से क्या मतलब है? कुछ उदाहरण दें।

टुहाडा युक्त-किरिआ अडे पूँडी-किरिआ तुं की मतलब है? इस दे वुष उदाहरण दिए।

10. a) What is happiness and prosperity? What are the wrong notions about attaining happiness and prosperity? What are the problems faced due to these wrong notions about happiness and prosperity?

सुख और समृद्धि क्या है? खुशी और समृद्धि को प्राप्त करने के बारे में गलत धारणा क्या है? सुख और समृद्धि के बारे में गलत धारणाओं के कारण पेश आ रही समस्याएं क्या हैं?

धुस्ती अडे धुस्तहाली की है। धुस्ती अडे धुस्तहाली नुँ प्राप्त करन दे बारे गलत पारना की है? धुस्ती अडे धुस्तहाली दे बारे गलत पारनावां दे कारन की समसिंआवां पेस्त आ रहीआं हन ?

OR

b) What are the programmes to ensure Health?

स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए क्या-क्या कार्यक्रम हैं?

सिहउ नुँ ठोक रूँखण लटी किहजे-किहजे उरीके हन ?

11. a) Describe basic human aspirations. What are the requirements to fulfill basic human aspirations?

बुनियादी मानवीय आकांक्षाएं क्या हैं? बुनियादी मानवीय आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए इनकी आवश्यकताओं का वर्णन करें।

बुनियादी मानवी इँड्हावां की हन ? बुनियादी मानवी इँड्हावां नुँ पुरा करण लटी इनां दी जहुरउं दा वरन्ण करें ?

OR

b) Compare the Four Orders in Nature on the basis of their salient aspects.

मुख्य पहलुओं के आधार पर प्रकृति में चार आदेशों की तुलना करें।

मुँख परिल्लां दे आपार उँउे कुदरउ विंच चार आदेशों दी तुलना करें।

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Total No. of Questions : 11

Total No. of Pages : 05

B.Sc. (IT) (2015 Batch) / BBA (2012 & Onwards Batches) /
 MBA/MBA(IB) (2012 & Onwards) / B.Tech.(2011 & Onwards) /
 B. Arch. (2012 & Onwards) / B.Sc. (HMCT) (2011 & Onwards) /
 B.Sc. (MLS) (2011 & Onwards) / B.Com (2011 & Onward) /
 BCA (2011 & Onward) / BRDM (2014 & Onwards) /
 Bachelor In Service Industry Management (SIM) (2014 & Onwards) /
 BMCI (2014 & Onwards Batch) /
 B.Sc. Business Economics (BBE) (2015 Batch) /
 B.Sc. FT (2012 & Onwards) /

B.Sc. In Catering and Culinary Arts (2015 Batch) (Sem.-1,2)

HUMAN VALUES & PROFESSIONAL ETHICS

Subject Code : HVPE-101

Paper ID : [A1105]

Time : 3 Hrs.

Max. Marks : 60

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES :

1. SECTION-A contains objective type questions carrying TEN marks.
2. SECTION-B contains short answer type questions carrying TWENTY marks.
3. SECTION-C contains descriptive answer type questions carrying THIRTY marks.
4. Attempt ALL questions.

SECTION-A

I. Fill in the Blanks / True/False :

(a) ਪਤੀ-ਪਤਨੀ ਦੇ ਸੰਬੰਧਾਂ ਵਿੱਚ ਪਵਿੱਤਰਤਾ ਦਾ ਭਾਵ ਮਾਨਵੀ, ਦਰਸਾਉਂਦਾ ਹੈ।
 ਕੈਵਾਹਿਕ ਸੰਬੰਧਾਂ ਮੌਜੂਦੀ ਵਿੱਚ ਪਵਿੱਤਰਤਾ ਦਾ ਭਾਵ ਮਾਨਵੀ, ਕਾ ਏਕ ਭਾਗ ਹੈ।

Chastity in conjugal relationship is a part of Human

(b) _____ ਦਾ ਅਰਥ ਸਾਰਿਆਂ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਹੋਣ ਦਾ ਅਹਿਸਾਸ ਹੈ।
 _____ ਕਾ ਮਤਲਬ ਹੈ ਸਭੀ ਕੇ ਸਾਥ ਸੰਬੰਧ ਕਾ ਭਾਵ ਹੋਨਾ।

____ means the feeling of being related to all.

(c) ਮਨੁੱਖ ਦੀਆਂ ਮੁਢਲੀਆਂ (ਮੂਲ) ਇੱਛਾਵਾਂ ਨਿਰੰਤਰ ਸੁਖ ਅਤੇ ਹਨ।
 ਨਿਰੰਤਰ ਸੁਖ ਏਵਂ ਮਾਨਵ ਕੀ ਮੌਲਿਕ ਚਾਹਨਾ ਹੈ।

The basic aspiration of a human being is continuous happiness and

(S-2) 3059

[M-10049]

(d) ਸਵੈ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਸਾਡੀਆਂ ਆਪਣੀਆਂ ਮਾਨਤਾਵਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਸਹਾਇਕ ਹੈ।

.....ਕੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਹਮੇਂ, ਹਮਾਰੀ ਮਾਨਤਾਓਂ ਕਾ ਉਤਰ ਦੇਣੇ ਮੌਜੂਦ ਕਰਤੀ ਹੈ।

The process helps us to question our own beliefs.

(e) ਅਧਿਕ, ਘੱਟ ਅਤੇ ਵੱਖਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੁਲਾਕਣ ਦੀਆਂ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਿਸਮਾਂ ਹਨ।

ਅਧਮੂਲਿਨ, ਅਥਮੂਲਿਨ, ਅਮੂਲਿਨ ਕੇ ਅਲਾਗ-ਅਲਾਗ ਤਰੀਕੇ ਹਨ।

Over, under- and otherwise-evaluation are different forms of

(f) ਸੁਵਿਧਾਵਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਜਾਂ ਦੁਰਵਰਤੋਂ ਦੀ ਚੋਣ 'ਮੈਂ' ਕਰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਸਰੀਰ ਇਸ ਮੁਤਾਬਿਕ ਕਾਰਜ ਕਰਦਾ ਹੈ।

'ਮੈਂ' ਚਿਨ ਕਰਤਾ ਹੈ ਕਿ ਸੁਵਿਧਾਓਂ ਕਾ ਉਪਯੋਗ ਕਰਨਾ ਹੈ ਯਾ ਦੁਰੁਧੋਗ ਕਰਨਾ ਹੈ, ਔਰ ਸ਼ਰੀਰ ਸਿਰਫ਼ ਇਸਕੇ ਅਨੁਸਾਰ ਕਾਰਘਰ ਹੋਤਾ ਹੈ।

Self chooses to use or misuse physical facilities and body works accordingly.

(g) ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ ਲਈ ਭੌਤਿਕ ਸੁਵਿਧਾਵਾਂ ਦੀ ਲੋੜ ਦੀ ਪਹਿਜਾਣ ਹੋਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।

ਸਮੂਦਿਆਨ ਲਈ ਭੌਤਿਕ ਸੁਵਿਧਾ ਕੀ ਪਹਚਾਨ ਹੋਨਾ ਆਵਸ਼ਿਕ ਹੈ।

Correct identification of the need for physical facility is necessary for achieving prosperity.

(h) ਸਹਿਜ ਸਵੀਕਿਤੀ ਪੂਰਵ-ਮਾਨਤਾਵਾਂ ਤੇ ਆਧਾਰਿਤ ਹੈ।

ਸਹਜ-ਸ਼੍ਰੀਕ੃ਤ ਪੂਰਵ ਮਾਨਤਾਓਂ ਪਰ ਨਿਰੰਭਰ ਹੋਤੀ ਹੈ।

Natural acceptance depends on the past conditionings.

(i) ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਮਾਨਵੀ ਆਚਰਣ ਕੇਵਲ ਸਹੀ ਸਮਝ ਰਾਹੀਂ ਹੀ ਸੰਭਵ ਹੈ।

ਸਹੀ ਸਮਝ ਸੇ ਹੀ ਮਾਨਕੀਯ ਆਚਰਣ ਮੌਜੂਦ ਨਿਸ਼ਚਿਤਤਾ ਆਨੇ ਕੀ ਸਮੱਭਾਵਨਾ ਹੈ।

Definitiveness of human conduct is possible only through right understanding.

(j) ਦੂਸਰੇ ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਸੰਬੰਧੀ ਸਵੀਕਾਰ ਕਰਨ ਦਾ ਭਾਵ ਸਨੇਹ ਹੈ।

ਦੂਸਰੇ ਕੋ ਅਪਨੇ ਸੰਬੰਧੀ ਕੇ ਰੂਪ ਮੌਜੂਦ ਸ਼੍ਰੀਕਾਰ ਕਰਨਾ ਸਨੇਹ ਹੈ।

The feeling of acceptance of other as one's relative is affection.

SECTION-B

2. ਸਵੈ (ਮੈਂ) ਵਿੱਚ ਚਲ ਰਹੀਆਂ ਕਿਰਿਆਵਾਂ ਨੂੰ ਲਿਖੋ।

ਮੈਂ (ਖਾਂਧਿਆਨ) ਕੀ ਕ੍ਰਿਯਾਓਂ ਕੋ ਲਿਖੋ।

Write about activities of the self.

3. पृथिवी विंध चार अवस्थाओं किहीना-किहीना हन अडे इह विवें इय-इये उपर निभर आउ परसपर पुरकता विंध हन। मीधेप विंध लिदे।

पृथि में चार अवस्थाएं कौन-कौन सी हैं? ये किस प्रकार एक दूसरे के ऊपर निभर और परस्परता में पूरक हैं? बताएं।

What are the four orders in nature? How are they inter-dependent and mutually fulfilling for each other? Explain.

4. आवरतनसीलता (चैकरी रूप) ते की भाव है? उत्पादन गतिविधियों पर इह विवें लागू हुंदी है?

'आवर्तनशीलता' का क्या अर्थ है? यह उत्पादन गतिविधियों पर कैसे लागू होता है?

What do you mean by recyclability? How is it applicable to production activities?

5. चित्रण, विस्तृलेषण ते चेण/आमवादन किहिआवां दी इब उदाहरण सहित विआधिआ करो।

चित्रण, विस्तृलेषण और चेण/आमवादन की क्रियाओं को उदाहरण के साथ समझाइये।

Explain the activities of Imaging, Analysing and Selecting/Testing with the help of an example.

6. कृतज्ञता (मुकरगुजारता) ते की भाव है? आपणे जीवन विच परसपर संबंधां दे अपार ते उदाहरण दे के सप्लाट करो।

कृतज्ञता का क्या अर्थ है? अपने जीवन में परस्पर संबंधों को देखते हुए एक उदाहरण दीजिए।

What is meant by gratitude? Express an example from your life in your mutual relationships.

SECTION-C

7. a) समाज विच मानवी उद्देश दे पंज आजामां नुं उरेक संकलप दी परिभाषा सहित सप्लाट करो।

समाज में मानव के प्रयास के पांच आयामों को संक्षेप में समझाइए। हर एक आयाम को परिभाषित भी कीजिये।

Briefly explain the five dimensions of human endeavour in society, defining each term.

OR

(S-2) 3059

[M-10049]

b) ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਦੀਆਂ ਚਾਰ ਅਵਸਥਾਵਾਂ ਦੀਆਂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ ਦੀ ਸੰਧੰਗ ਵਿਆਖਿਆ ਹੈ।

प्रकृति में चार अवस्था के स्वभाव को संशोधन में सामग्री है।

प्रकृति में चार अवस्था के स्वभाव को संक्षेप में समझाओ।
 Briefly explain the natural characteristics of the four orders in nature.

8. a) ਸਹਿਜ ਸਵੀਕ੍ਰਿਤੀ ਤੋਂ ਕੀ ਭਾਵ ਹੈ? ਵਿਆਪਿਆ ਕਰੋ। ਆਪਣੇ ਜਿਦੀਆਂ ਵਿਖੇ ਨਿਰਲੇਪ ਹੈ? ਦੇ ਕੇ ਸਪਸ਼ਟ ਕਰੋ ਕਿ ਇਹ ਸਾਡੀਆਂ ਪੁਰਵ-ਮਾਨਤਵਾਂ ਤੋਂ ਕਿਵੇਂ ਨਿਰਲੇਪ ਹੈ? ਸਹਜ ਸਵੀਕ੍ਰਿਤੀ ਕਾ ਕਿਥਾ ਅਧੀ ਹੈ? ਸਮਝਾਇਏ। ਔਰ ਅਪਨੀ ਜਿਦੀ ਸੇ ਏਕ ਰਦਾਹਰਣ ਲੇਤੇ ਹੋਏ ਯਾਹੀ ਪ੍ਰਭਾਵ ਹੈ। ਯਾਹੀ ਸਮਝਾਇਏ ਕਿ ਯਾਹੀ ਕੈਂਸੇ ਹਮਾਰੀ ਪੁਰਾਨੀ ਮਾਨਤਾਓਂ ਸੇ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਨਹੀਂ ਹੋਤੀ ਹੈ।

What do you mean by natural acceptance? Explain. Explain how it remains untouched by our past pre-conditionings with the help on an example from your life.

OR

- b) ਕਦਰਾਂ-ਕੀਮਤਾਂ ਦੀ ਸਿੱਖਿਆ ਲਈ ਬੁਨਿਆਦੀ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ ਕਾਰਣ ਸਹਿਤ
ਵਿਆਖਿਆ ਕਰੋ।

विभागिता करें।
मूल्य शिक्षा के लिए बुनियादी दिशा-निर्देश क्या हैं? कारण सहित उत्तर दीजिये।
for value education with reasoning.

मूल्य शिक्षा के लिए बुनियादी नियमों का सम्पर्क करें।

9. a) ਆਪਣੀਆਂ ਕਿਸੇ ਦਸ ਇਛਾਵਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਬਣਾਓ। ਇਹ ਇਛਾਵਾਂ ਮੈਂ ਤੇ ਸ਼ਰੀਰ ਨਾਲ ਕਿਵੇਂ ਸੰਬੰਧਿਤ ਹਨ ?

आप अपनी कोई 10 इच्छाओं की सूची बनाइये। इनमें से हर एक इच्छा किस तरह से मैं (स्वयं) से जुड़ी हुई है अथवा शरीर से जुड़ी हुई है यह भी समझाइए।

Make a list of any ten desires of yours. Explain how each of the desire is related to the Self or the Body.

OR

- b) ਸਨਯ ਵਿਚ ਇਕਾਇਆਂ ਦੀ ਸੰਪਰਿਕਤਤਾਂ ਬਾਰੇ ਸਾਰ ਕਰੋ।

मैं (स्वयं) और शरीर के सह-अस्तित्व को संक्षेप में समझाइए।

Explain briefly the submergence of units in space.

10. a) ਸਰੀਰ ਦੀਆਂ ਕਿਰਿਆਵਾਂ ਮੈਂ ਦੀਆਂ ਕਿਰਿਆਵਾਂ ਤੋਂ ਕਿਵੇਂ ਭਿੰਨ ਹਨ ? ਇਕ ਉਦਾਹਰਣ ਦੇ ਕੇ ਸਪਸ਼ਟ ਕਰੋ।

आपको 'शरीर' की क्रियाओं और 'मैं' की क्रियाओं के अंतर को समझाएँ। एक उदाहरण का भी प्रयोग करें।

Explain how the activities of the Body are different from those of the Self with the help of an example.

a) मनान है परिभासित करें। अमीं मनान ऐ आपार ते देस-डाव जां बिरवरा
तिवें बहवे हाँ? मानव लदी मनान हैं मैंपे प विच लिए।

सम्मान को परिभाषित करें। इम सम्मान के स्थान पर गेव कैसे करते हैं? मानव के लिए
सम्मान की नूनतम चस्तु यथा है?

Explain respect. How are we generally making differentiation in the name of
respect? Explain the minimum content of respect for a Human Being.

ii. a) मरीर, मैं (महे) दे साधन दे रूप विच किवें है? मैं दी मरीर दे पठी वी
जिम्मेदारी है। विभाषिका करें।

कैसे, शरीर मैं (स्वयं) का एक साधन मात्र है? 'मैं' की शरीर के प्रति क्या जिम्मेदारी है?
समझाइये।

How is the body an instrument of the Self? What is the responsibility of the
Self toward the Body? Explain.

OR

b) मरी समझ लदी किसे बाहरी प्रूडाव जां सरोउ दी बजाए सहिज सदीकृती दे
आपार ते जांच करना व्यपेरे मँहउव्पुरण किउ है? आपणी सहिज सदीकृती बारे
कैदी तिन अनुभव सांझे करें।

सही समझ के लिए जो प्रस्ताव आता है, उसे जांचने के लिए अपनी सहज स्वीकृति का
आधार ही क्यों जरुरी है, कोई बाहरी स्त्रोत का आधार क्यों नहीं? अपनी सहज-स्वीकृति
के बारे में कोई 3 निरीक्षण बताइए।

Why is it important to verify any proposition for right understanding on the
basis of natural acceptance, and not on the basis of any external source?
Write down any three observations about your natural acceptance.